भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*96

सोमवार, 29 जुलाई, 2024/7 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

त्रिची जिले के पचामलाई में पर्यटन का विकास

†*96. श्री अरुण नेहरू:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि त्रिची जिले में पचामलाई पहाड़ी क्षेत्र है जिसमें अधिकांशतः अनुसूचित जनजातियों की आबादी है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का स्थानीय लोगों को अतिरिक्त आय प्रदान करने के लिए त्रिची जिले के पचामलाई में पर्यटन आरंभ करने के लिए एक छोटा-सा रिसॉर्ट स्थापित करने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

श्री अरुण नेहरू द्वारा त्रिची जिले के पचामलाई में पर्यटन का विकास के संबंध में दिनांक 29.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*96 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय तमिलनाडु राज्य में त्रिची सहित देश के सभी पर्यटन स्थलों के महत्व से परिचित है । यह मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' योजनाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के उनके प्रयासों में सहायता करता है । स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत मंत्रालय ने वर्ष 2016-17 में तमिलनाडु राज्य में तटवर्ती परिपथ थीम के अंतर्गत 73.13 करोड़ रु. की राशि से 'चेन्नई- मामल्लपुरम-रामेश्वरम-मनपदु-कन्याकुमारी का विकास' नामक एक परियोजना को स्वीकृति दी थी । यह परियोजना भौतिक रूप से पूरी हो गई है ।

मंत्रालय ने देश में स्थायी एवं जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से इस योजना को हाल ही में स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है । एसडी 2.0 दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य सरकारें/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर विभिन्न गंतव्यों की पर्यटन क्षमता का विश्लेषण करते हुए राज्य संदर्शी योजना (एसपीपी) तैयार करते हैं और पर्यटन मंत्रालय द्वारा इस योजना के तहत विकास हेतु इन गंतव्यों का चयन किया जाता है । तमिलनाडु की राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत एसपीपी में त्रिची जिले में अवस्थित पचामलाई शामिल नहीं है । मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत तमिलनाडु में 'मामल्लपुरम' और 'नीलगिरी' सहित देश में विकास हेतु 57 गंतव्यों को चिह्नित किया है और 30.02 करोड़ रु. की राशि से तमिलनाडु के मामल्लापुरम में 'शोर टेम्पल में एमर्सिव एक्सपीरियंस' नामक एक परियोजना को स्वीकृति दी है ।

इसके अतिरिक्त मंत्रालय ने अपनी प्रशाद योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जो भौतिक रूप से पूरी हो गई हैं:-

परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)
कांचीपुरम का विकास	2016-17	13.99
वेलनकन्नी का विकास	2016-17	4.86

पर्यटन मंत्रालय के समक्ष तमिलनाडु के त्रिची में अवस्थित पचामलाई में किसी रिजॉर्ट की स्थापना का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

*****